

**RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA, TIRUPATI**  
Deemed to be Univerisity  
**DIRECTORATE OF DISTANCE EDUCATION**  
**ACHARYA 1<sup>ST</sup> YEAR 2018-2019**

|                          |   |
|--------------------------|---|
| <b>SAHITYA</b>           | <p>PAPER : 1 काव्यप्रकाशः ( १ तः ६ उल्लासपर्यन्तम्)</p> <p>PAPER : 2 दशरूपकम् (सम्पूर्णम्)</p> <p>PAPER : 3 ध्वन्यालोके ( १, २, ४ उद्योताः)</p> <p>PAPER : 4 क. कादम्बरी (कथामुखम्)<br/>ख. औचित्यविचारचर्चा (आदितः - शान्तरसौचित्यं यावत्)<br/>ग. नीलकण्ठविजयचम्पूः (प्रथमाश्वासः)</p> <p>PAPER : 5 क. प्रतापरुद्रीये - नायककाव्यप्रकरणे, ख. अष्टादशपुराणपरिचयः</p>   |
| <b>VYAKARANAM</b>        | <p>PAPER : 1 लघुशब्देन्दुशेखरः ( सञ्ज्ञा तः स्वादिसन्धिप्रकरणान्तम्)</p> <p>PAPER : 2 महाभाष्यम् ( १ तः ६ आह्निकानि)</p> <p>PAPER : 3 वैयाकरणभूषणसारः (धात्वर्थ, लकारार्थ प्रकरणद्वयम्)<br/>वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - उत्तरतिङ् ( णिच्प्रकरणादारभ्य परस्मैपदप्रकरणान्तम्)</p> <p>PAPER : 4 परिभाषेन्दुशेखरः ( सम्पूर्णः)</p> <p>PAPER : 5 क. महाभाष्ये-पस्पशाह्निकम् ख. तर्कभाषा -आदितः प्रमाणपदार्थनिरूपणान्तभागः।)<br/>चत्वार्येव प्रमाणानि युक्तिलेशोक्तिपूर्वकम् ।<br/>केशवो बालबोधाय यथाशास्त्रमवर्णयत् ।। इति श्लोकपर्यन्तम् ।</p>                                     |
| <b>PHALITHA JYOTISHA</b> | <p>PAPER : 1 बृहत्पराशरहोराशास्त्रम् ( १ - १ ५ अध्यायाः)</p> <p>PAPER : 2 बृहत्संहिता ( १ - २ ८ अध्यायाः)</p> <p>PAPER : 3 क. विद्यामाधवीयम् ( १ - ५ अध्यायाः) ख. फलदीपिका ( १ - ७ अध्यायाः)</p> <p>PAPER : 4 सूर्यसिद्धान्तः ( मध्यमाधिकारः, स्पष्टाधिकारः, त्रिप्रश्नाधिकारः)</p> <p>PAPER : 5 क. सारावली ( १ - ६ अध्यायाः), ख. मनुस्मृतेर्द्वितीयोऽध्यायः मन्वर्थमुक्तावलीसहितः</p>  |
| <b>PURANETIHASA</b>      | <p>PAPER : 1 क. श्रीमद्भागवतमहापुराणम् - (प्रथमस्कन्धे उत्तरार्धे १-१० अध्यायाः )<br/>ख. अष्टादशपुराणपरिचयः पर्यालोचनं च<br/>ग. श्रीमद्भागवतमहापुराणम् - (दशमस्कन्धे पूर्वार्धे ११-३५ अध्यायाः)</p> <p>PAPER : 2 वराहपुराणे श्रीवेङ्कटाचलक्षेत्रमाहात्म्यम् (प्रथमो भागः), (द्वितीयभागः)</p> <p>PAPER : 3 क. श्रीमद्रामायणम् (सुन्दरकाण्डे १-२० सर्गाः), ख. महाभारतम् ( शान्तिपर्वणि १-३० अध्यायाः)</p> <p>PAPER : 4 क. अग्निपुराणम् ( १ - २० अध्यायाः) ख. शिवमहापुराणम् (विद्येश्वरसंहिता)</p> <p>PAPER : 5 क. अष्टादशपुराणपरिचयः, ख. प्रतापरुद्रीये -नायककाव्यप्रकरणौ</p> |
| <b>SANKHYA YOGA</b>      | <p>PAPER : 1 सांख्यकारिका - ( सांख्यतत्त्वकौमुदीव्याख्यायुता) १-७२ कारिकाः</p> <p>PAPER : 2 योगदर्शनम् - (योगसूत्राणि) व्यासभाष्यम् - प्रथमपादः &amp; द्वितीयपादः</p> <p>PAPER : 3 योगदर्शनम् - (योगसूत्राणि) भोजवृत्तिसहितम् - प्रथमपादः &amp; द्वितीयपादः</p> <p>PAPER : 4 सांख्यप्रवचनभाष्यम् - प्रथमाध्यायः - तृतीयाध्यायौ</p> <p>PAPER : 5 क. सांख्यकारिका - (गौडपादभाष्यम्) - १-२५ कारिकाः<br/>ख. योगसारसंग्रहः - (विज्ञानभिक्षुकृतः) सम्पूर्णः<br/>ग. वेदात्परिभाषा (विषयप्रयोजनपरिच्छेदौ)</p>   |

|                              |  |
|------------------------------|--|
| <b>ADVAITA VEDANTA</b>       | <p>PAPER : 1 ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - ( द्वितीयाध्याये १-४ पादाः )</p> <p>PAPER : 2 श्रीमद्भगवद्गीताभाष्यम् ( २, १३, १८ अध्यायाः )</p> <p>PAPER : 3 सिद्धान्तलेशसंग्रहः ( १-४ परिच्छेदाः )</p> <p>PAPER : 4 चतुस्सूत्री भामती ( १-४ प्रथमसूत्रान्ता )</p> <p>PAPER : 5 क. वेदान्तपरिभाषा (विषयप्रयोजनपरिच्छेदौ) ख. सांख्यकारिका - (गौडपादभाष्यम्) १-२५ कारिकाः<br/>ग. योगसारसंग्रहः (विज्ञानभिक्षुकृतः) सम्पूर्णः</p>  |
| <b>DVAITA VEDANTA</b>        | <p>PAPER : 1 विष्णुतत्त्वविनिर्णयः - (आदितः ब्रह्मतर्कवचनपर्यन्तो भागः)</p> <p>PAPER : 2 क. ईशावास्योपनिषत्तलवकारोपनिषद्भाष्ये, ख. आथर्वणभाष्यम्</p> <p>PAPER : 3 ब्रह्मसूत्रभाष्यम् तत्त्वप्रकाशिकासहितम् (प्रथमाध्यायस्य प्रथमपादे आदितः),<br/>ब्रह्मसूत्रभाष्यम् प्रथमाध्याये प्रथमपादे षष्ठाधिकारणात् पादसमाप्तिं यावत् ।</p> <p>PAPER : 4 क. न्यायामृतम् (पञ्चमिथ्यात्वभङ्गः) ख. ब्रह्मसूत्रभाष्यम् प्रथमाध्याये २, ३, ४ पादाः</p> <p>PAPER : 5 क. पदार्थसङ्ग्रहः (पदार्थसामान्यनिरूपणपर्यन्तो भाग) तथा<br/>ख. प्रमाणपद्धतिः - (आरम्भान्नैययिकोक्तप्रमाणलक्षणनिरासपर्यन्तम्)<br/>ग. यतीन्द्रमतदीपिका प्रमेयभागः - (प्रकृतिः जीव, ईश्वरः)</p>                      |
| <b>VISISTADVAITA VEDANTA</b> | <p>PAPER : 1 श्रीभाष्यम् (भगवद्रामानुजाचार्यविरचितम्)<br/>(जिज्ञासाधिकरणे आदितः लघुसिद्धान्तपर्यन्तो, इन्द्रप्राणाधिकरणपर्यन्तम् भागः)</p> <p>PAPER : 2 न्यायसिद्धाञ्जनम् - (वेदान्तदेशिकविरचितम्) जडद्रव्यपरिच्छेदः, जीवेश्वर परिच्छेदौ</p> <p>PAPER : 3 तैत्तिरियोपनिषद् (रङ्गरामानुजभाष्यसहिता) (शीक्षावल्ली, भृगुवल्ली, आनन्दवल्ली)<br/>छान्दोग्योपनिषद् (रङ्गरामानुजभाष्यसहिता) (षष्ठप्रपाठः)</p> <p>PAPER : 4 न्यायपरिशुद्धिः (वेदान्तदेशिकविरचितः)</p> <p>PAPER : 5 क. यतीन्द्रमतदीपिका - प्रमेयभागः (प्रकृतिः जीव, ईश्वरः)<br/>ख. पदार्थसङ्ग्रहः (पदार्थसामान्यनिरूपणपर्यन्तो भागः) तथा<br/>ग. प्रमाणपद्धतिः (आरम्भान्नैययिकोक्तप्रमाणलक्षणनिरासपर्यन्तम्)</p> |
| <b>AGAMA</b>                 | <p>PAPER : 1 क. निमानार्चनाकल्प (८५ तः १०० पटलाः)<br/>ख. काश्यपज्ञानकाण्डः (१ आरभ्य २० अध्यायाः)</p> <p>PAPER : 2 क. आगमप्रमाण्यम् (पृष्ठम् ५१ आरभ्य ८८ पर्यन्तम्)<br/>ख. समूर्तार्चनाधिकरणम् (७५ आरभ्य ८३ अध्यायाः)</p> <p>PAPER : 3 क. पाद्मसंहिता (चर्यापादः २४, २५, २६ अध्यायाः)<br/>ख. विष्णुतिलकसंहिता (१, २ अध्यायौ)</p> <p>PAPER : 4 क. कारणागमः (११० तः १२० पटलाः)<br/>ख. सूक्ष्मागमः (७ आरभ्य १० पटलाः क्रियापादः)</p> <p>PAPER : 5 क. पाञ्चरात्ररक्षा (द्वितीयाध्यायः) ख. यतीन्द्रमतदीपिका - प्रमेयभागः</p>   |
| <b>VEDABHASHYAM</b>          | <p>PAPER : 1 तैत्तिरीयसंहितायां प्रथमकाण्डे द्वितीयप्रपाठकः, तृतीयप्रपाठकः (सायणभाष्यम्)</p> <p>PAPER : 2 काण्वसंहितायाः एकादशाध्यायौ तः पञ्चदशाध्यायं यावत् (सायणभाष्यम्)</p> <p>PAPER : 3 क. श्रीसायणाचार्यविरचिता ऋग्वेदभाष्यभूमिका (मङ्गलाचरणतः अध्ययनविधिं यावत्)<br/>ख. निरुक्तम् (सप्तमोऽध्यायः)</p> <p>PAPER : 4 क. स्वशास्त्रेतिहासः - वेदानां महत्त्वम्, संहितासाहित्यम्, ब्राह्मणारण्यकोपनिषत्साहित्यम्,<br/>वेदाङ्गसाहित्यम्, वेदभाष्यकाराः (सायणाचार्यः, महीधरः, यास्कः, दयानन्दः)</p> <p>PAPER : 5 क. Vedic Studies ख. अष्टादशपुराणपरिचयः</p>  |

|                   |  |
|-------------------|--|
| MIMAMSA           | <p>PAPER : 1 भाट्टदीपिका (७,८,९ अध्यायाः)</p> <p>PAPER : 2 क. शाबरभाष्यम् (प्रथमाध्यायाः) ख. शास्त्रदीपिका (तर्कपादः)</p> <p>PAPER : 3 क. तन्नरहस्यम् ख. भाट्टकौस्तुभः (प्रथमाध्यायस्य तृतीयपादः)</p> <p>PAPER : 4 क. भाट्टकौस्तुभः (प्रथमाध्यायस्य द्वितीयपादः) ख. भाट्टरहस्य ५० अङ्काः</p> <p>PAPER : 5 क. लघुन्यायसुधा (तृतीयाध्यायः, षष्ठाध्यायश्च) ख. तर्कभाषा - आदितः प्रमाणपदार्थनिरूपणान्तभागः ।<br/>चत्वार्येव प्रमाणानि युक्तिलेशोक्तिपूर्वकम् ।<br/>केशवो बालबोधाय यथाशास्त्रमवर्णयत् ॥ इति श्लोकपर्यन्तम्</p>  |
| DHARMASTRAS       | <p>PAPER : 1 याज्ञवल्क्यस्मृतेराचाराध्यायस्य (मिताक्षरासहितस्य)<br/>आदितो विवाहप्रकरणान्तम्, वर्णजातिविवेकप्रकरणादाचाराध्यायसमाप्तिं यावत्</p> <p>PAPER : 2 क. कौटलीयार्थशास्त्रस्य प्रथमाधिकरणम्,<br/>ख. जीमूतवाहनकृतदायभागस्य (नवमाध्यायतो ग्रन्थसमाप्तिं यावत्)</p> <p>PAPER : 3 क. जीमूतवाहनकृतदायभागस्य आदितोऽष्टमाध्यायपर्यन्तम् )<br/>ख. कमलाकरभट्टकृतनिर्णयसिन्धोः प्रथमपरिच्छेदः</p> <p>PAPER : 4 याज्ञवल्क्यस्मृतेर्व्यवहाराध्यायस्य (मिताक्षरासहितस्य)<br/>आदितः दिव्यप्रकरणान्तम्, दायभागप्रकरणाद् व्यवहाराध्यायसमाप्तिं यावत्</p> <p>PAPER : 5 क. मनुस्मृतेर्द्वितीयोऽध्यायः मन्वर्थमुक्तावलीसहितः ख. सारावली (१-६ अध्यायाः)</p>                                      |
| SIDHANTA JYOTISHA | <p>PAPER : 1 ज्योतिर्विज्ञानम् (सम्पूर्णम्)</p> <p>PAPER : 2 सिद्धान्तशिरोमणिः (त्रिप्रश्नाधिकारात् - ग्रहगणिते पाताधिकारपर्यन्तम्)</p> <p>PAPER : 3 सिद्धान्तशिरोमणिः - (गोलाध्यायः)</p> <p>PAPER : 4 आर्यभटीयम् (सम्पूर्णम्)</p> <p>PAPER : 5 क. सिद्धान्तदर्पणः (१-२ प्रकाशौ)<br/>ख. मनुस्मृतेर्द्वितीयोऽध्यायः मन्वर्थमुक्तावलीसहितः</p>   |
| NYAYA             | <p>PAPER : 1 अवयवः (गादाधरीसहितः)<br/>(आदितः अनतिरिक्तविषयकत्वनिवेशप्रयोजनान्तो भागः)<br/>(यद्यपि सर्वमभिधेयं, प्रमेयम् इत्यादावतिरिक्ताप्रसिद्धिः इति दीधितिमारभ्य प्रतिज्ञालक्षणान्तभागः)</p> <p>PAPER : 2 हेत्वाभाससामान्यनिरुक्तिः (विशिष्टद्वयाघटितत्वनिवेशन अत्र वदन्ति कल्पान्तभागः)</p> <p>PAPER : 3 क. दिनकरी शब्दखण्डः अथवा शब्दपरिच्छेदः ख. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली - गुणखण्डः</p> <p>PAPER : 4 न्यायभाष्यम् (प्रथमद्वितीयाध्यायौ)</p> <p>PAPER : 5 क. तर्कभाषा - आदितः प्रमाणपदार्थनिरूपणान्तभागः ।<br/>चत्वार्येव प्रमाणानि युक्तिलेशोक्तिपूर्वकम् ।<br/>केशवो बालबोधाय यथाशास्त्रमवर्णयत् ॥ इति श्लोकपर्यन्तम्<br/>ख. लघुन्यायसुधा (तृतीयाध्यायः, षष्ठाध्यायश्च)</p> |